ISSN- 2350-0530(O) ISSN- 2394-3629(P)
Impact Factor: 2.035 (I2OR)
DOI: https://doi.org/10.29121/granthaalayah.v3.i9SE.2015.3286

INTERNATIONAL JOURNAL OF RESEARCH – GRANTHAALAYAH
A knowledge Repository

पर्यावरण संरक्षण व अर्न्तराष्ट्रीय कानून

बद्रीलाल मालवीय शोधार्थी
शासकीय विधि महाविधालय उज्जैन

भोतिकवादी पृवत्ति के वशीभूत हो इसांन अपनी सुख सुविधाओं में अधिकाधिक वृद्वि करने के उददेश्य से प्राकृतिक संपदाओ का अविवेक पूर्ण दोहन जिस गति से कर रहा है, उसमें पर्यावरण का ताना बाना चरमरा रहा है । जीवन दायी तत्वों का दाता प्राकृतिक पर्यावरण आज अत्यधिक दोहन, असीमित मात्रा में निकलते गंदे और उत्सर्जित पदार्थो के कारण संकटमय स्थिति में पहुंच गया है । इससे न सिर्फ मानव वस्तु अपितु संपूर्ण पृथ्वी पर संकट छाया हुआ है । इसलिये पर्यावरण को संरक्षित करना एवं प्रदुषण को नियंत्रित करना देश की एक व्यापक जिम्मेदारी बन गई है।

प्रदुषण आज की एक ज्वलंत समस्या है । पर्यावरण अर्थात वातावरण को यह प्रदुषण दीमक की तरह खोखला कर रहा है आज न केवल मानव जाति,अपितु पशु पक्षी भी प्रदुषण से व्यथित एवं परेशान है । हमारा जन जीवन भी प्रदुषण के कारण प्रतिकुल रूप से प्रभावित हुआ है । विकलांगता अंधापन,आदि प्रदुषण के ही परिणाम है । प्रदुषण चाहे हवा का हो, जल का हो अन्य किसी तरह का ये मानव के लिये घातक है ।

अब समय आ गया है जब प्रदुषण को समाप्त करने एवं पर्यावरण की सुरक्षा या बचाव के लिये शासन प्रशासन ओर स्वेच्छिक संगठनो को पहल करनी होगी ।

पर्यावरण आज चहुं और से विभिन्न प्रकार के प्रदुषणो ;वायु,ध्वनि,जल,भूमि,नाभिकीय प्रदुषणद्ध से घिरा स्वयं को असहाय महसूस कर रहा है । वास्तविकता में विभिन्न प्रकार के प्रदुषणो पर नियत्रंण पाना ही पर्यावरण संरक्षण है।

पर्यावरण संरक्षण कि दिशा में ताज के सोन्दर्य की वापसी से जुडा एक महत्वपुर्ण मामला **एम.सी.मेहता बनाम यूनियन आफ इण्डिया ए.आई.आर.1997एस.सी.734 है ।** इसमें ताज के सोन्दर्य को कारखानों के प्रदुषण से बचाने की मांग की गई थी ।न्यायालय ने ताज के आसपास बसे लगभग **192** कारखानेा एवं शोधन भटिटयो को हटाने का निर्देश दिया । उच्चतम न्यायालय ने कहा – ताज विश्व के आश्चर्यो में सरताज है । यह मुगलकालीन कला की बेजोड अन्तिम मिशाल है । शाहजहां की पत्नि मुमताज की चिरस्थाई यादगार है । वास्तुविदो के कला – कौशल की अनुपम कृति है कला और संस्कृति का संगम स्थल है । इसका सौन्दर्य राष्ट्र की अमुल्य धरोहर है । अतरू ताज के सौन्दर्य की रक्षा करना एवं उसे प्रदुषण से बचाना हमारा दायित्व है ।

पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 – एक अत्यंत महत्वपूर्ण विधान है क्योकि यह पर्यावरण की आवश्यकता पर वैधानिक बल देता है ओर अन्य संबधित क्षेत्रों में त्रुटियो को दूर करता है ।

 ISSN- 2350-0530(O) ISSN- 2394-3629(P)
Impact Factor: 2.035 (I2OR)

पर्यावरण संरक्षण व अर्न्तराष्ट्रीय कानून

पर्यावरण के संरक्षण हेतु अर्न्तराष्ट्रीय प्रयास का प्रथम सोपान स्टाक हेाम सम्मेलन से माना जाता है । सन 1972 में स्वीडन के स्टाक होम शहर में 05 जून से 16 जून तक पर्यावरण के सबंध में सम्मेलन का आयेाजन किया गया ।

इस सम्मेलन में पहली बार एक ही पृथ्वी के सिद्वांत को सम्मेलन में सम्मिलित विश्व के 119 देशो ने स्वीकार किया । इस सम्मेलन को स्टाक होम घोषणा पत्र, 1972 के नाम से जाना जाता है । स्टाक होम घोषणा पत्र में 7 सत्य और 26 सिद्वांतो को पर्यावरण संरक्षण हेतु आवश्यक समझा गया ।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के लिये किये गये प्रयासेा की संक्षिप्त रूप रेखा –

1. प्रथम जलवायु सम्मेलन ;1972 स्टाक होम, स्वीडनद्ध – पहली बार पर्यावरण प्रदुषण मुददा बना ।
2. द्वितीय जलवायु सम्मेलन ;1990 स्टाक होम, स्वीडनद्ध – जलवायु परिवर्तन मसोदा तैयार किया गया।
3. प्रथम पृथ्वी सम्मेलन ;1992 रियोडि जेनेरियो, ब्राजील द्ध – ;संयुक्त राष्ट्र का पर्यावरण एवं विकास सम्मेलन अथवा रियो.10 सम्मेलनद्ध 154 देशो द्वारा संयुक्त राष्ट्र मसेादे पर हस्ताक्षर एजेन्डा –21 लागू करने पर सहमति ; इस एजेन्डे के अनुसार वर्ष 2000 तक ग्रीन हाउस गैसो के उत्सर्जन का स्तर 1990 के स्तर तक लाना ।
4. जलवायु परिवर्तन की समस्या पर संयुक्त राष्ट्रसंघ का विशेष सत्र ; 1997 न्यूयार्क संयूक्त राज्य अमेरिका द्ध. इस सम्मेलन में रियोडि जेनेरियो सम्मेलन के बाद की स्थिति की समीक्षा की गई ।
5. क्योटो सम्मेलन ; 1997 क्योटो जापानद्ध. इस सम्मेलन में ग्रीन हाउस गैसो के उत्सर्जन के सबंध में बनाये गये अर्न्तराष्ट्रीय मापदण्डों को कानूनी रूप देने सबधित समझोता हुआ।इसके अनुसार ओधोगिक देशो को 2012 तक ग्रीनहाउस गैसो को 5 प्रतिशत तक कम करना था ।
6. दूसरा पृथ्वी सम्मेलन ; 2002 जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीकाद्ध – यह सम्मेलन विभिन्न सम्मेलनो में निर्धारित लक्ष्यो को लागू करने हेतु कार्य पद्वति बनाने के लिये आयोजित किया गया था लेकिन यह सम्मेलन विकसित एवं विकासशील देशो के बीच टकराव की भेट चढ गया ।
7. संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन ; 2003 बॉन जर्मनी – इस सम्मेलन में ग्रीन हाउस गैसों को कम करने के लिये विस्तार पूर्वक योजना बनाई गई तथा क्योटो सम्मेलन में आ रही प्रमुख बाधाओ पर चर्चा की गयी ।
8. जलवायु परिवर्तन सम्मेलन 2004 ब्यूनस आयर्स, अर्जेन्टीना ।
9. जलवायु परिवर्तन सम्मेलन ; अप्रेल 2007 बैकाक थाइलेण्ड – इस सम्मेलन में 120 देशो के लगभग 400 प्रतिनिधियो ने भाग लिया था ।
10. जलवायु परिवर्तन सम्मेलन ; दिसम्बर 2007 बाली इन्डोनेशिया
11. जलवायु परिवर्तन सम्मेलन ; अप्रेल 2008 बैंकाक थाइलेण्ड
12. जलवायु परिवर्तन सम्मेलन ;28 नवम्बर से 11 दिसम्बर 2011 डरबन दक्षिण अफ्रीका

संदर्भ

1. प्रतियोगिता घटना चक्र सितम्बर 2014 पृष्ठ 50
2. विधि एवं योजनाये एक परिचय, म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पृष्ठ 29
3.भारत का सविधान – डां बंसतीलाल बावेल, सेन्ट्रल लॉ पब्लिकेशन्स पृष्ठ 154
4.पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986
5.यू.जी.सी. नेट परीक्षा गाईड, जितेन्द्र कुमार उपाध्याय, एवं पवन गुप्ता । पृष्ठ 550